Sri Bala Mantra Siddhi Stavam – Mahakala SamhitA

॥ श्रीबाला मन्त्र सिद्धि स्तवः - महाकाल संहिता ॥

The following is a rare hymn on **Sri Bala Tripura Sundari** beseeching **Mantra Siddhi**. This could perhaps be used by all who are initiated into **Mantra Japa** of **Sri Bala Tripura Sundari** or other deity forms. The chanter is said to attain emancipation and destroyal of lust in addition to Mantra Siddhi.

ब्राह्मी रूप धरे देवी ब्रह्मात्मा ब्रह्म पालिका ।
विद्या मन्त्रादिकं सर्वं सिद्धिं देहि परमेश्वरी ॥ १ ॥

महेश्वरी महामाया मानन्दा मोह हारिणी ।
मन्त्र सिद्धि फलं देहि महामन्त्रा ऽ र्णवेश्वरी ॥ २ ॥

गुह्येश्वरी गुणातीता गुह्य तत्त्वार्थ दायिनी ।
गुण त्रयात्मिका देवी मन्त्र सिद्धिं ददस्व माम् ॥ ३ ॥

नारायणी च नाकेशी नृमुण्ड मालिनी परा ।
नानानना नाकुलेशी मन्त्र सिद्धिं प्रदेहि मे ॥ ४ ॥

घृष्टि चक्रा महारौद्री घनोपम विवर्णका ।
घोर घोरतरा घोरा मन्त्र सिद्धि प्रदा भव ॥ ५ ॥

शक्राणी सर्व दैत्यघ्नी सहस्र लोचनी शुभा ।
सर्वारिष्ट विनिर्मुक्ता सा देवी मन्त्र सिद्धिदा ॥ ६ ॥

चामुण्डा रूप देवेशी चलज् जिह्वा भयानका ।
चतुष्पीठेश्वरी देहि मन्त्र सिद्धिं सदा मम ॥ ७ ॥

लक्ष्मी लावण्य वर्णा च रक्ता रक्त महाप्रिया ।
लम्बकेशा रत्नभूषा मन्त्र सिद्धिं सदा दद ॥ ८ ॥

बाला वीरार्चिता विद्या विशाल नयनानना ।
विभूतिदा विष्णुमाता मन्त्र सिद्धिं प्रयच्छ मे ॥ ९ ॥

॥ फलश्रुतिः ॥

मन्त्र सिद्धि स्तवं पुण्यं महा मोक्ष फल प्रदम् ।
महा मोह हरं साक्षात् सत्यं मन्त्रस्य सिद्धिदम् ॥

॥ इति श्रीमहाकाल संहितायां श्रीबाला मन्त्र सिद्धि स्तवं सम्पूर्णम् ॥

K. Muralidharan (*kmurali_sg@yahoo.com*)